INTERNATIONAL JOURNAL OF HISTORY

E-ISSN: 2706-9117
P-ISSN: 2706-9109
www.historyjournal.net
IJH 2023; 5(1): 86-99
Received: 09-01-2023
Accepted: 11-02-2023

लता रानी चौहान
असिस्टेंट प्रोफेसर,
बी.एस.अनंगपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ आलमपुर, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत

Corresponding Author:
लता रानी चौहान
असिस्टेंट प्रोफेसर,
बी.एस.अनंगपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ आलमपुर, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत

ऐतिहासिक विरासत को समेटे - फरीदाबाद स्मार्ट सिटी-सच्चाई या परछाई

लता रानी चौहान

सारांश
फरीदाबाद शहर हरियाणा राज्य सबसे बड़ा जिला है। इसकी पहचान इसके विकास से की जाती है। अपने परिवेश में विभिन्न ऐतिहासिक विरासतों को समेटे यह एक प्राचीन शहर है। जिसका इतिहास मुगलों के समय से अस्तित्व में आया। आज यह शहर अपने विकासशील अस्तित्व को लेकर बहुत अग्रणीय है। क्या यह विकास पूर्णरूपेण वास्तविक है। आइए चर्चा करते हैं, फरीदाबाद स्मार्ट सिटी के वास्तविक स्वरूप की, यह सच्चाई या परछाई इस प्रसंग पर आज हम प्रकाश डालेंगे। दिल्ली से 25 किलोमीटर दक्षिण में स्थित फरीदाबाद शहर आज के परिवेश में एक जाना माना नाम है, बहुमंजिला इमारतें, ऊंचे ऊंचे पुल, पटरियों पर दौड़ती जिंदगी और मेट्रो फरीदाबाद शहर के विकास का ज्वलंत उदाहरण प्रस्तुत करती हैं, परंतु आज के युवा हमारे फरीदाबाद के इतिहास और इसकी वास्तविकता से पूर्णता अनभिज्ञ है, जिसका अध्ययन आज हम करने जा रहे हैं।

कूटशब्द: फरीदाबाद, हरियाणा, स्मार्ट सिटी, योजनायें

प्रस्तावना
फरीदाबाद शहर का इतिहास करीब 415 साल पहले शुरू हुआ था। फरीदाबाद हरियाणा राज्य का सबसे बड़ा शहर है। एक सर्वे के अनुसार यह दुनिया का आठवां और भारत का तीसरा सबसे जल्दी विकसित होने वाला शहर है। इसकी स्थापना 1807 ईसवीं में मुगल सम्राट जहांगीर के खजांची बाबा फरीद ने की थी। हजरत ख्वाजा गं ंजशंकर बदरुद्दीन जिन्हें बाबा फरीद के नाम से भी जाना जाता था, उन्हीं के नाम पर इसका नाम फरीदाबाद रखा गया है, वह एक बड़े सूफी संत हुआ करते थे।उनका मकसद यहां से गुजरने वाले राजमार्ग की रक्षा करना था।फरीद ने यहां एक किला, एक तालाब व एक मस्जिद बनवाई।

इसकी स्थापना जी.टी. रोड (जो शेर शाह सूरी द्वारा निर्मित की गई थी) उसकी सुरक्षा के लिए की गई थी, बाद में इसे फरगना के हेड क्वार्टर के रूप में स्थापित किया गया। जो बल्लभगढ़ के शासक के अधीन हुआ करता था। मुगल सम्राट औरंगजेब की मृत्यु के बाद हिंदू राजा गोपाल सिंह ने इस पर आक्रमण कर दिया और अपने अधीन कर लिया। उन्होंने मुगल अधिकारी मुर्तिजा खान के साथ एक समझौता किया और फरीदाबाद के चौधरी बन बैठे। मुगलों के शासन के बाद ब्रिटिशों ने इसे अपने कब्जे में ले लिया था और शासन किया।

कुछ समय पहले फरीदाबाद की अरावली पहाड़ियों में पुरातत्व विभाग की टीम को एक गुफा मिली है। जो करीब 1,00,000 साल पुरानी बताई जा रही है।

इस गुफा के बारे में यह आशंका जताई जा रही है कि है करीब 1,00,000 साल पहले यहां मानव रहा करते थे। इस प्रागैतिहासिक गुफा में कई प्रकार के भित्तिचित्र भी पाए गए हैं। जो यह दर्शाते हैं कि यहां कभी कोई सभ्यता रहा करती थी। फरीदाबाद के एक हिस्से में यमुना नदी भी बहती है ऐसा माना जाता है कि इसी वजह से यहां किसी सभ्यता का विकास हुआ होगा। फरीदाबाद के प्रागैतिहासिक विकास को दर्शाता है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 1950 में पाकिस्तान से आए शरणार्थी इस शहर में बस गए। इसलिए इसे शरणार्थियों का शहर भी कहा जाता है। उनके पुनर्वास के लिए यहां बहुत सारे उद्योगों का निर्माण किया गया। बाद में अन्य स्थानों से भी अलग-अलग धर्म और समुदाय के लोग भी यहां आकर बस गए थे। इस तरह यहां अनेकता में एकता का कथन यथार्थ सिद्ध नज़र आता है।

प्रारंभ में यह गुड़गांव शहर का ही एक हिस्सा हुआ करता था। 15 अगस्त 1989 को इसे एक अलग जिले के रूप में स्थापित कर दिया गया।यहां के उद्योगों में मशीनी औजार, ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल, इस्पात ट्यूब, विद्युत चालित करघे से बने उत्पाद और सायरन व औषधि उत्पाद शामिल हैं। इनके कारण शहर को वैश्विक पहचान मिल चुकी है। फरीदाबाद जिला भी विरासतों से भरा हुआ है। आजादी में अहम योगदान देने वाले प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के महानायक शहीद राजा नाहर सिंह का महल बल्लभगढ़ में आज भी उनकी शहादत की गवाही देता है। शहीदे आजम भगत सिंह के परिजन फरीदाबाद जिले में ही रहते हैं। वहीं महाकवि सूरदास का जन्म भी सीही गांव में हुआ है। सीही गांव स्थित उनकी जन्मस्थली पर हर साल कार्यक्रम होते हैं। देश की आजादी से लेकर युद्ध और सीमाओं पर पहरेदारी के दौरान अनेक जवान फरीदाबाद से शहीद हुए हैं। उन्होंने अपनी शहादत देकर फरीदाबाद का नाम रोशन किया है। तिगांव गांव में शहीदों की याद में बना जीतगढ़ स्मारक शहादतों की गवाही देता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पलवल से नाता रहा है। अंग्रेजों ने बापू को पलवल के रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया था।

फरीदाबाद का मुख्य आकर्षण

- शहर के प्रमुख आकर्षण का केंद्र है यहां की बड़कल झील है जो कि पूर्ण रूप से मानव निर्मित है इस झील को देखने के लिए पर्यटक दूर- दूर से आते हैं और मनोरंजन के रूप में नौका विहार आदि का आनंद उठाते हैं। बड़कल शब्द पर्शियन भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता है "बिना किसी रूकावट के"।
- फरीदाबाद एनसीआर के सभी शहरों में सबसे अधिक तेजी से विकसित होने वाला शहर है। यह राज्य के कुल राजस्व का 60% भाग अकेला उत्पन्न करता है। फरीदाबाद की आबादी लगभग 20 लाख के आसपास है।
- जनसंख्या घनत्व की ओर से देखा जाए तो यह नंबर 1 पर आता है। यहां 90% हिंदू 7% मुस्लिम 2% सिक्ख 1% जैन धर्म तथा अन्य धर्म के लोग रहते हैं।
- फरीदाबाद शहर में लगने वाला सूरजकुंड मेला हरियाणा सरकार के द्वारा आयोजित किया जाता है यह एक विश्व प्रसिद्ध मेला है, जिसका प्रथम आयोजन 1987 में किया गया था। जिसका मुख्य आकर्षण हस्तशिल्प कला है। संपूर्ण भारत के विभिन्न हस्तशिल्प कलाकार इस मेले में अपने शिल्प का प्रदर्शन करते हैं तथा सामान खरीदते व बेचते हैं।
- विभिन्न देशों से भी कलाकार यहां के रंगमंच पर अपनी प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं। जैसे:- कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, टर्की आदि देशों से यहां कलाकार आते हैं।
- यहां पर एक नाहर सिंह स्टेडियम भी है। जहां पर यदा-कदा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन होता रहता है, जो राज्य स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर होती है, प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर इस स्टेडियम का पूर्ण रूप से प्रयोग करते हैं।
- ओल्ड फरीदाबाद की शाही जामा मस्जिद जहांगीर के दौर में सैय्यद मुर्तजा खां फरीद बुखारी ने 1014 हिजरी में बनवाई थी। यहां ईदगाह, बाराही तालाब तथा बाराही मंदिर भी बनवाया था। शाही जामा मस्जिद में आज भी लोग नमाज पढ़ते हैं और बाराही तालाब में मेला लगता है।

स्मार्ट सिटी मिशन

24 मई 2016 के भारत सरकार के स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इसे स्मार्ट सिटी की सूची में शामिल किया गया है। यह भारत की ही नहीं विश्व का सबसे जल्दी प्रगति करने वाला शहर है।

शहरी विकास मंत्रालय के उद्देश्य

1. वाट-मीटर
2. सौर ऊर्जा
3. डिजिटलीकरण
4. अपशिष्ट प्रबंधन
5. जल पुनर्चक्रण जैसे स्मार्ट प्रौद्योगिकी समाधान।
6. हरित और स्वच्छ शहर में बदलना
7. सड़कों पर भीड़ कम करना
8. जीवन जीने के नवीन 60 तरीके
9. नवाचार केंद्र बनाने की आवश्यकता
10. कार्बन उत्सर्जन को कम करना (एफ. एस. टी- फरीदाबाद स्मार्ट ट्रैफिक), टी. एस. एम. (ट्रांसलेट मैनेजमेंट सिस्टम) को पूर्ण करना

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार फरीदाबाद भारत का तीसरा और दुनिया का आठवां सबसे तेजी से बढ़ने वाला शहर है। भारत सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण सर्वे में फरीदाबाद को भारत के 10 सबसे गंदे शहरों में शामिल किया जा चुका है। फरीदाबाद को कृषि उत्पादन क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है। यहां की मेहंदी सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में प्रचलित है। परंतु अब यह शहर औद्योगिक क्षेत्र है कहा जाता है। कहते है जिसे कहीं रोजगार नहीं मिलता वह फरीदाबाद आ जाए, तो उसे यहाँ काम जरूर मिलेगा। पुरानी मशहूर राजदूत बाइक की फैक्ट्री यहीं पर स्थित है। कई ट्रैक्टर बनाने की फैक्ट्रियां जैसे आईसर आदि भी यहां स्थित है। फरीदाबाद शहर साइकिल उत्पादन के क्षेत्र में सबसे अग्रणी माना जाता है सबसे पुरानी एटलस साइकिल की फैक्ट्री यही पर थी, परंतु लॉकडाउन के टाइम पर इसमे काम ना हो पाने के कारण इसे बंद कर दिया गया।

फरीदाबाद स्मार्ट सिटी के उद्देश्य तथा स्मार्ट सिटी योजना

फरीदाबाद स्मार्ट सिटी कंपनी का गठन 20 सितंबर 2016 को हुआ था। जिसके लिए सरकार ने 930 करोड़ की 45 योजनाओं को मंजूरी दी थी I

भारत सरकार के स्मार्ट सिटीज मिशन का मुख्य उद्देश्य शहरों को संपन्न, स्थायी आर्थिक केंद्र बनाना है। शहर अपनी आर्थिक क्षमता का लाभ उठाकर और शहर को एक स्वच्छ, हरित और जीवन जीने के स्मार्ट तरीके में बदलकर एक विनिर्माण और नवाचार केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है। क्षेत्र-आधारित विकास उपायों के लिए निर्दिष्ट क्षेत्र 1267 एकड़ है और इसमें सेक्टर 19, 20ए, 21बी और 21डी शामिल हैं। चुने गए इलाकों में वाणिज्यिक, संस्थागत, औद्योगिक, शहरी गांवों, समूह आवास आदि जैसे विविध भूमि उपयोग मे हैं, और यह शहर के पुराने कोर की सीमा बनाते हैं।

स्मार्ट सिटी फरीदाबाद का समग्र उद्देश्य वाहनों और यातायात की भीड़ से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। प्रस्तावित एफएसटी (फरीदाबाद स्मार्ट ट्रैफिक) और टीएसएम (ट्रांजिट मैनेजमेंट सिस्टम) (ए) पर्यावरण के अनुकूल गतिशीलता को बढ़ावा देने और (बी) सार्वजनिक परिवहन और एनएमटी को बढ़ावा देने के लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं।

फरीदाबाद स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट

नीचे,एक उपयुक्त तालिका दी है जिसमें फरीदाबाद की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की सूची शामिल है। हम इस तालिका के माध्यम से सभी परियोजनाओं के नामों के साथ-साथ, उनके क्षेत्रों, निविदा एजेंसियों, परियोजना धारकों और मील के पत्थर का अंदाजा लगा सकते हैं।

फरीदाबाद स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को पूरा किया

राज्य	शहर	परियोजना का नाम	क्षेत्र	प्रभाव	क्रियान्वयन एजेंसी	द्वारा परियोजना ली जा रही है	परियोजना के मील के पत्थर
हरियाणा	फरीदाबाद	वीसीएफ के माध्यम से राजस्व का सृजन	क्षेत्र विकास	नागरिक अनुकूल और लागत प्रभावी शासन और सार्वजनिक सेवाएं	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	यह प्रोजेक्ट सरकार द्वारा बंद कर दिया गया है। भारत की।
हरियाणा	फरीदाबाद	फरीदाबाद शहर के लिए व्यापक गतिशीलता योजना (सीएमपी)।	गैर मोटर चालित परिवहन और चलने की क्षमता	परिवहन और गतिशीलता	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	फाइनल रिपोर्ट मंजूर
हरियाणा	फरीदाबाद	सार्वजनिक भवनों/स्कूलों/कॉलेजों/पार्कों के लिए वर्षा जल संचयन प्रस्ताव	तूफान के पानी की निकासी	महत्वपूर्ण संसाधनों का संरक्षण और पुन: उपयोग	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	13 स्थानों पर कार्य पूरा कर लिया गया है और कार्य कर रहे हैं।
हरियाणा	फरीदाबाद	स्मार्ट ई-टॉयलेट	सामाजिक क्षेत्र स्वास्थ्य और शिक्षा	स्वच्छता की स्थिति में सुधार	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	सभी दस स्थानों पर स्मार्ट ई-टॉयलेट लगाए गए हैं। ओ एंड एम प्रगति पर है
हरियाणा	फरीदाबाद	कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीटी- 3 उप परियोजनाएं)	आईटी कनेक्टिविटी और डिजिटलाइजेशन	नागरिक अनुकूल और लागत प्रभावी शासन और सार्वजनिक सेवाएं	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	• 111 स्थानों पर 280 पीए सिस्टम के साथ 1159 कैमरे (सीसीटीवी और एएनपीआर, आरएलवीडी) पहले ही लगाए जा चुके हैं और कमांड सेंटर में लाइव हो चुके हैं। अन्य 35 स्थानों पर सिविल और कैमरे लगाने का काम भी पूरा होने वाला है। • कमांड एंड कंट्रोल सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा सेंटर का काम पूरा हो चुका है और काम कर रहा है। • पीए सिस्टम, आपातकालीन कॉल बॉक्स, पर्यावरण सेंसर, वीएएमएस, स्मार्ट लाइट, सूचना कियोस्क, स्मार्ट बिन, स्मार्ट पोल पहले ही स्थापित किया जा चुका है और स्मार्ट पार्क में लाइव है, अन्य की स्थापना
हरियाणा	फरीदाबाद	ओपन एयर स्मार्ट जिम	सामाजिक क्षेत्र	बेहतर	फरीदाबाद	एसपीवी	प्रीफैब्रिकेशन किया गया।

			स्वास्थ्य और शिक्षा	स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाएं	स्मार्ट सिटी लिमिटेड		पांच स्थानों पर ओपन एयर जिम उपकरण लगाए गए।

फरीदाबाद स्मार्ट सिटी वर्क ऑर्डर स्टेज प्रोजेक्ट्स

राज्य	शहर	परियोजना का नाम	क्षेत्र	प्रभाव	क्रियान्वयन एजेंसी	द्वारा परियोजना ली जा रही है	परियोजना के मील के पत्थर
हरियाणा	फरीदाबाद	राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के 05 चौराहों का सौंदर्यीकरण	प्रदूषण सहित पर्यावरण	प्रदूषण कम	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	बड़काल चौराहा, पुराना फरीदाबाद चौराहा, नीलम चौक चौराहा, बाटा चौक चौराहा और एनएचपीसी चौराहा पर बागवानी का 95% काम पूरा हो गया है। लाइटिंग का काम शुरू किया जाना है।
हरियाणा	फरीदाबाद	दो साल के लिए ICCC के लिए ISP (ICT)	आईटी कनेक्टिविटी और डिजिटलाइजेशन	नागरिक अनुकूल और लागत प्रभावी शासन और सार्वजनिक सेवाएं	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	153 स्थानों में से 100 लाइव हैं और शेष कार्य प्रगति पर है।
हरियाणा	फरीदाबाद	बडखल झील का जीर्णोद्धार	क्षेत्र विकास	महत्वपूर्ण संसाधनों का संरक्षण और पुनः उपयोग	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	• एसबीआर टैंक और उपचारित जल कार्य प्रगति पर है। • सीमा कार्य प्रगति पर है। • 10 एमएलडी एसटीपी से बडखल झील तक 350 मिमी व्यास की रिसाइकिल पानी की लाइन बिछाने का काम पूरा हो गया है। • भूमिगत सीवर लाइनों को स्थानांतरित करने का कार्य पूरा किया गया।
हरियाणा	फरीदाबाद	सिविक इंफ्रास्ट्रक्चर - गांव फतेहपुर, चंदेला (9 उप-परियोजनाएं)	क्षेत्र विकास	शहरी गरीबों के लिए बेहतर रहने की स्थिति	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	सीवर लाइन, पानी की लाइन, सीसी रोड का काम, बरसाती पानी की निकासी और एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाने का काम प्रगति पर है।
हरियाणा	फरीदाबाद	स्मार्ट रोड डेवलपमेंट- (14 सब-प्रोजेक्ट Ph.1) (बड़खल मोड़ से बायपास रोड)	शहरी परिवहन	परिवहन और गतिशीलता	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	• बड़खल स्मार्ट रोड पर कार्य प्रगति पर है। • सड़क का काम - एलएचएस और आरएचएस पर 90% पूरा हो गया है। • स्टॉर्म वाटर ड्रेन (एलएचएस) 1550 मीटर, स्टॉर्म वाटर पाइप

							(एलएचएस) 1.5 किमी पूरा • एचडीपीई पाइप बिछाने - 1.6 किमी पूरा • एचटी लाइन बिछाने - 900 मीटर पूरा • 300 व्यास डीआई जल आपूर्ति लाइन का काम पूरा • ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) डक्ट बिछाने का काम पूरा • फुटपाथ- एलएचएस में बेस तैयार करने का काम चल रहा है। • मेडियन रेलिंग लगाने का काम - 1550 मीटर पूरा हो गया है। एलएचएस साइड में फुटपाथ रेलिंग- 1400 मीटर कंप्लीट
हरियाणा	फरीदाबाद	ई-रिक्शा और आईपीटी स्टैंड	गैर मोटर चालित परिवहन और चलने की क्षमता	परिवहन और गतिशीलता	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	पुराने फरीदाबाद मेट्रो स्टेशन पर नींव का काम पूरा। प्रोजेक्ट को शॉर्ट क्लोज किया जाना है।
हरियाणा	फरीदाबाद	स्मार्ट अर्बन विलेज - फतेहपुर	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	फतेहपुर सरकारी स्कूल बारात घर, टेंपल प्लाजा, प्याऊ में काम चल रहा है। फतेहपुर सरकार। स्कूल - 97% काम पूरा हो गया है, बरात घर - 70% काम पूरा हो गया है, मंदिर प्लाजा - 95% काम पूरा हो गया है, पियाओ - *95%* काम पूरा हो गया है।
हरियाणा	फरीदाबाद	बरही तालाब क्षेत्र का पुनर्विकास (2 उप परियोजनाएं)	आर्थिक विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	सिटी लेवल एडवाइजरी फोरम (सीएलएएफ) के निर्देशों के अनुसार और हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण के मानदंडों के अनुसार परियोजना की रिडिजाइनिंग प्रगति पर है।
हरियाणा	फरीदाबाद	स्मार्ट पार्क	प्रदूषण सहित पर्यावरण	पारिस्थितिक तंत्र और खुली जगहों का संरक्षण	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	सभी बागवानी और सिविल कार्य पूरे हो चुके हैं और पार्क सार्वजनिक उपयोग में है।
हरियाणा	फरीदाबाद	चरण I और II सड़कें (14 उप-परियोजनाएं Ph.2)	शहरी परिवहन	परिवहन और गतिशीलता	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	सीवर लाइन, वाटर लाइन, इंस्पेक्शन चेंबर का काम, स्टॉर्म वाटर ड्रेन, सीसी रोड का काम और एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाने का काम, यूजीएसआर

							का काम चल रहा है। ड्रेन और इंटरनल रॉड का काम चल रहा है
हरियाणा	फरीदाबाद	बड़खल स्मार्ट रोड के एलएचएस में मैनहोल 1000x1000 मिमी आंतरिक निर्माण और मौजूदा नालों पर प्रीकास्ट कवर प्रदान करने का काम पूरा	तूफान के पानी की निकासी	स्वच्छता की स्थिति में सुधार	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	वोक आदेश जारी किया
हरियाणा	फरीदाबाद	पैन सिटी फरीदाबाद में पारेषण जल लाइन के लिए वाटर स्काडा	जलापूर्ति	जलापूर्ति का आश्वासन दिया	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	मोटर पम्प एवं सॉफ्ट स्टार्टर की खरीद प्रक्रियाधीन है
हरियाणा	फरीदाबाद	मेट्रो पिलर्स आर्ट वर्क	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	मेट्रो के पिलर पर 25 नग विजुअल आइडेंटिटी पैनल लगाए गए हैं।
हरियाणा	फरीदाबाद	स्ट्रीट लाइट पर ट्राई कलर (नारंगी, सफेद और हरा) एलईडी रोप लाइट की आपूर्ति और कमीशनिंग	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	कार्य - आदेश
हरियाणा	फरीदाबाद	स्ट्रीट लाइट पर ट्राई कलर (नारंगी, सफेद और हरा) एलईडी रोप लाइट की आपूर्ति और कमीशनिंग	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	एलओए जारी

फरीदाबाद स्मार्ट सिटी टेंडर स्टेज प्रोजेक्ट्स

राज्य	शहर	परियोजना का नाम	क्षेत्र	प्रभाव	क्रियान्वयन एजेंसी	द्वारा परियोजना ली जा रही है	परियोजना के मील के पत्थर	अनुमानित लागत
हरियाणा	फरीदाबाद	पीबीएस योजना	शहरी परिवहन	परिवहन और गतिशीलता	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी		5.15 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	बड़खल झील में स्मार्ट सरफेस पार्किंग	शहरी परिवहन	परिवहन और गतिशीलता	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	टेंडर आमंत्रित	3.2 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	बडखल लेक फ्रंट और मरीना डेवलपमेंट	क्षेत्र विकास	महत्वपूर्ण संसाधनों का संरक्षण और पुन: उपयोग		एसपीवी	निविदा आमंत्रित	34.11 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	ICCC (ICT) के लिए	आईटी	नागरिक अनुकूल	फरीदाबाद	एसपीवी	वित्तीय बोली	40.88 रु.

		आपदा रिकवरी केंद्र	कनेक्टिविटी और डिजिटलाइजेशन	और लागत प्रभावी शासन और सार्वजनिक सेवाएं	स्मार्ट सिटी लिमिटेड		खोली गई	करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	ऑप्टिकल फाइबर बिछाने (आईसीटी)	आईटी कनेक्टिविटी और डिजिटलाइजेशन	नागरिक अनुकूल और लागत प्रभावी शासन और सार्वजनिक सेवाएं	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी		69.06 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	ICCC, FSCL FCTSL प्रस्तावित भवन	आईटी कनेक्टिविटी और डिजिटलाइजेशन	नागरिक अनुकूल और लागत प्रभावी शासन और सार्वजनिक सेवाएं	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	अन्य	तकनीकी मूल्यांकन प्रगति पर है	*16* रुपये। करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	बड़खल झील के आसपास जल निकायों का जीर्णोद्धार और विकास	सामाजिक क्षेत्र स्वास्थ्य और शिक्षा	पारिस्थितिक तंत्र और खुली जगहों का संरक्षण	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	तकनीकी बोली मूल्यांकन पूरा हुआ	3.85 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	एबीडी क्षेत्र में सौंदर्य सुधार के साथ अंडरपास सड़कों के लिए सड़क और जल निकासी सुधार कार्य	तूफान के पानी की निकासी	बेहतर चलने योग्यता	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड	एसपीवी	रुपये के लिए आंशिक निविदा आमंत्रित की गई। 0.575 करोड़।	5 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	फरीदाबाद शहर में बस डिपो	शहरी परिवहन	परिवहन और गतिशीलता		एसपीवी		20.39 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	बडखल झील का जीर्णोद्धार - मुख्य बांध का ईपीसी आधार पर सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा		अन्य	वित्तीय बोली अनुमोदन के अधीन है	18.72 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	बडखल झील कायाकल्प - भाग ए लेक बेड ट्रीटमेंट	क्षेत्र विकास	पारिस्थितिक तंत्र और खुली जगहों का संरक्षण		अन्य		1.32 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	फरीदाबाद में सिटी बस संचालन के लिए निजी ऑपरेटर का चयन	शहरी परिवहन	परिवहन और गतिशीलता		अन्य		40 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी के तहत एबीडी क्षेत्र के तहत पार्कों का विकास	क्षेत्र विकास	पारिस्थितिक तंत्र और खुली जगहों का संरक्षण		अन्य	पुनः निविदा आमंत्रित	15 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	*02* संपार्श्विक सड़क सनी मंदिर और सेक्टर *28* मुख्य सड़क का विकास	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा		एसपीवी	टेंडर आमंत्रित	14.8 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	वाहन रस्सा ऐप का विकास	आईटी कनेक्टिविटी और डिजिटलाइजेशन	परिवहन और गतिशीलता		अन्य	टेंडर आमंत्रित	0.5 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	बडखल झील के मुख्य बांध के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य	आर्थिक विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा		एसपीवी	तकनीकी मूल्यांकन पूरा हुआ।	18.72 रु. करोड़।

हरियाणा	फरीदाबाद	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी के एबीडी क्षेत्र के भीतर चिन्हित चौराहों पर मूर्तियों का निर्माण, आपूर्ति और स्थापना	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा		अन्य	रुपये के एबीडी क्षेत्र के भीतर 2 चिन्हित पार्को के लिए निविदा आमंत्रित की गई। 0.42 करोड़।	1.98 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	आपूर्ति और स्थापना सहित 3 नग मूविंग हेड बीम लाइट्स का निर्माण परीक्षण और कमीशनिंग रंग लाल सफेद और हरे रंग की लेजर बीम लाइट एक साथ भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के विषय को दर्शाती है जो कि त्रिभुज रंग है	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा		एसपीवी	बोली अभी प्राप्त नहीं हुई है	0.17 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	बडखल झील कायाकल्प - भाग ए लेक बेड ट्रीटमेंट	आर्थिक विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा		एसपीवी	तकनीकी मूल्यांकन पूरा हुआ	1.42 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	फरीदाबाद में वॉल आर्ट पेंटिंग	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा		एसपीवी	वित्तीय मूल्यांकन पूरा हुआ	0.5 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	सूरजकुंड मेला के वर्चुअल टूर एप्लिकेशन का विकास गूगल मानचित्र के साथ एकीकृत	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा		एसपीवी	वित्तीय बोली खोली गई, लोआ जारी किया जाना है	0.06 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड, फरीदाबाद में सस्टेनेबल रीयल टाइम एक्रुअल आधारित डबल एंट्री एकाउंटिंग सिस्टम ABDEAS का कार्यान्वयन	आर्थिक विकास	नागरिक अनुकूल और लागत प्रभावी शासन और सार्वजनिक सेवाएं		एसपीवी	तकनीकी मूल्यांकन पूरा हुआ	0.5 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	आवारा कुत्तों के आश्रय स्थल का निर्माण	क्षेत्र विकास	नागरिकों, विशेष रूप से कमजोर समूहों (महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों) की बेहतर सुरक्षा और सुरक्षा		एसपीवी	वित्तीय बोली खुली	0.1 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	बडकल झील का जीर्णोद्धार मुख्य बांध का सुदृढ़ीकरण	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा		एसपीवी	बोली प्राप्त हुई	21.92 रु. करोड़।
हरियाणा	फरीदाबाद	आदर्श नगर का पुनर्विकास	क्षेत्र विकास	स्थानीय पहचान और अर्थव्यवस्था		एसपीवी	निविदा आमंत्रित	2.17 रु. करोड़।

				को बढ़ावा				
हरियाणा	फरीदाबाद	जेम के माध्यम से मशीनरी की खरीद	सीवरेज और सेप्टेज	स्वच्छता की स्थिति में सुधार		एसपीवी	तकनीकी मूल्यांकन पूरा हुआ	3.54 रु.

प्रमुख अधूरी योजनाएं

योजना- लागत (करोड़ रुपये में)

इंटीग्रेटिड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर- 172.51

26.1 किलोमीटर लंबी रोड का निर्माण- 325

बड़खल तिरंगा रोड- 42.50

बड़खल झील का जीर्णोद्धार- 30.52

पुलिस लाइन से शेरशाह सूरी रोड तक तीन सड़कों का निर्माण- 36.40।

बेस्ट ग्रीन बिल्डिंग प्रोजेक्ट पुरस्कार

स्मार्ट सिटी इंडिया एक्सपो 2022 में इस बार फरीदाबाद ने बेस्ट ग्रीन बिल्डिंग प्रोजेक्ट का पुरस्कार जीता है। ऐसा पहली बार है जब देश में 100 स्मार्ट सिटी की लिस्ट में फरीदाबाद को भी ग्रीन बिल्डिंग प्रोजेक्ट के तहत अवार्ड से नवाजा गया है। .

प्रत्येक वर्ष केंद्र सरकार के सहयोग से स्मार्ट सिटी इंडिया एक्सपो का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में देश के 100 स्मार्ट सिटी को शामिल किया जाता है, जो किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे होते हैं। किसी भी प्रोजेक्ट पर अच्छा कार्य होने पर उस शहर को सम्मानित किया जाता है। इस साल स्मार्ट सिटी इंडिया एक्सपो में फरीदाबाद ने भी अवार्ड जीता है। आयोजन में वास्तुकार अजय गौतम की सहायता से फरीदाबाद स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने ग्रीन बिल्डिंग का अपना प्रोजेक्ट रखा था। यह प्रोजेक्ट सभी को काफी अच्छा लगा। जिसके बाद फरीदाबाद को बेस्ट ग्रीन बिल्डिग प्रोजेक्ट अवार्ड से नवाजा गया।

फरीदाबाद स्मार्ट सिटी को 234 करोड़ के नए प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी गई है। इनमें 115 करोड़ रुपये की लागत से शहर में इंटीग्रेटिड कमांड कंट्रोल सेंटर विकसित किया जाएगा। इसके लिए जनवरी 2018 में टेंडर जारी कर दिए जाएंगे। यह सेंटर सेक्टर-20 ए स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय के ऊपरी तल पर बनेगा। इस सेंटर से ही शहर के सीसीटीवी कैमरे, ट्रैफिक लाइट सिस्टम सहित अन्य कार्यों का संचालन होगा।

स्मार्ट सिटी के रास्ते की कमियां

1. साफ सफाई (स्मार्ट सिटी की सूरत बिगाड़ते गंदगी के अंबार)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के स्वच्छता अभियान की बेशक हर तरफ तारीफ हो रही है, लेकिन इसे पूरी तरह असली जामा पहनाने के लिए जिम्मेदार सरकारी महकमों का बुरा हाल है। आलम यह है कि जगह-जगह लगे गंदगी के ढेर स्मार्ट सिटी की सूरत बिगाड़ने के लिए काफी है। इसमें अंदर से ही नहीं बल्कि नेशनल हाईवे जैसे महत्वपूर्ण स्थान भी गंदगी से अछूते नहीं हैं। सर्वे के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगे कूड़े के ढेर देखकर राष्ट्रीय राजमार्ग और स्थानीय लोगों के अलावा देश की राजधानी दिल्ली या फिर प्रेम के प्रतीक ताजमहल तक आवाजाही करने वाले राहगीर नेशनल हाईवे पर गंदगी के ढेर देखकर दंग रह जाते हैं कृष्णा कॉलोनी से तो स्वयं मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर जी ने स्वच्छता अभियान की शुरुआत की थी। परंतु अब यहां स्थान स्थान पर कूड़े के अंबार लगे नजर आते हैं। यहां पर लगे शौचालयों की दशा तो अत्यंत ही दुर्लभ है जो गंदगी को कम करने के स्थान पर उसे सिर्फ बढ़ावा ही देते है। ग्रेटर फरीदाबाद और ओल्ड फरीदाबाद दोनों ही स्थानों पर हाल बदहाल है बरसात के समय में तो स्थिति और भी विकट रूप धारण कर लेती है। ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन होने के कारण अनेकों विदेशी मेहमान यहीं से गुजरते हुए स्टेशन तक पहुंचते हैं, इससे स्मार्ट सिटी की छवि पर बट्टा लगा ही रहता है।

शहर के कूड़े पर यदि नजर डाली जाए तो

- रोज उत्पादित होने वाला कूड़ा - 600 टन
- प्रति व्यक्ति उत्पादित होने वाला कूड़ा - 400 ग्राम
- रिहायशी क्षेत्रों में निकलने वाला कूड़ा - 348 टन
- एसआई क्षेत्र से निकलने वाला कूड़ा - 66 टन
- सब्जी मंडी फल बाजार मछली बाजार से निकलने वाला कूड़ा - 48 टन
- बाग-बगीचे, वन क्षेत्र से निकलने वाला कूड़ा -39टन
- संस्थागत क्षेत्रों से निकलने वाला कूड़ा व गलियों व सड़कों की सफाई से निकलने वाला कूड़ा- 84 टन

स्वच्छता अभियान पर सरकार की पूरी योजना होने के बावजूद भी उत्सर्जित होने वाले कूड़े का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। कारण- संसाधनों की कमी, कर्मचारियों की कमी यदि ऐसे ही चलता रहा तो आने वाले समय में स्मार्ट सिटी के नाम पर फरीदाबाद धब्बा बनकर हम सभी को मुंह चिढ़ाता नजर आएगा।

2. सीवर की समस्या

शहर में स्थान- स्थान पर सड़कों पर भरा हुआ सीवर का पानी देखकर, कहीं पर भी ऐसा नहीं लगता जैसे कि यह कोई स्मार्ट सिटी है। जगह-जगह जलभराव के कारण सड़कों का हाल बेहाल हो चुका है। सड़कों पर इतने गड्ढे हो चुके हैं कि पता ही नहीं चलता पानी की तलहटी में कहां पर किसी का एक्सीडेंट हो जाए पता ही नही चलता। पानी व सीवर लाइन की समस्या से पुराना फरीदाबाद ही प्रभावित नहीं है,अपितु नये फरीदाबाद में भी स्थान-स्थान पर सीवर लाइन बंद पड़ी हुई है। जिसका कारण बहुत अधिक मात्रा में पॉलिथीन का प्रयोग है ,और उनका किसी भी प्रकार से निस्तारण करने का कोई भी उपाय नजर नहीं आता है। शहर में कई गंदे नाले भी बहते हैं, इन नालों से उठने वाली दुर्गंध से आसपास के लोगों का जीना दूभर हो जाता है। गंदगी का आलम यह है कि आगरा नहर भी इससे अछूती नहीं है समस्त प्रकार की गंदगी इसमें डाली जाती है, कुछ सीवर लाइनें भी इसी में खुली हुई है, जिसके कारण यह अब अनुपयोगी हो गयी है। इसके द्वारा अब सिचाई कार्य भी सम्भव नहीं है।आज के हालात देखें तो आगरा नहर का हाल एक गंदे नाले के समान हो गया है। तो हम कह ही नहीं सकते, कि हमारा शहर फरीदाबाद शहर स्मार्ट सिटी है।

3. पार्कों का रखरखाव

स्मार्ट सिटी के तहत तीन स्मार्ट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। परंतु कहीं भी देखकर ऐसा नहीं लगता कि पार्को का पूर्णरूपेण जीर्णोद्धार किया गया है। वहां पर प्रयोग किये जाने वाले सभी उपकरण व सुविधाएं किसी भी प्रकार से उपयोग में नहीं लाई जा रही है। और उसका कारण है, उनके ऊपर ध्यान ना देना मशीनों में जंग लग चुका है, जो भी ओपन जिम के लिए उपकरण प्रयोग में लाए जा रहे हैं वह संग्रहित हो गए हैं और जगह-जगह से उनका पेंट भी उखड़ गया है कहीं पर झूलों की रस्सियां टूटी पड़ी है, तो कहीं पर उनकी पटरिया। जगह जगह पर घास के स्थान पर गड्ढे हो रखे हैं। इन पार्को में आकर आवारा पशु अक्सर बैठते हैं और गंदगी फैलाते हैं। पार्कों के ग्रिल्स की बात की जाए तो उन्हें उखाड़ कर आसपास के स्लम बस्ती के लोग बेच देते हैं और कुछ शराबी लोग उस पैसे का प्रयोग शराब पीने में तथा जुआ खेलने में करते हैं। जिससे पार्कों की स्थिति बदहाल बनी हुई है। ना ही किसी प्रकार का कोई सुरक्षित दरवाजा इनमें लगा हुआ है और ना ही कोई चौकीदार वहां पर नियुक्त है। जिससे वहां का रखरखाव सही ढंग से हो। इस कारण यह स्मार्ट सिटी के नाम पर एक धब्बा ही नजर आते हैं।

4. आवारा पशु एवं पालीथीन का प्रयोग

कूड़े से पटी पड़ी सड़कें और उसमें मुंह मारते आवारा लावारिस पशु लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुके हैं। फरीदाबाद में ना तो लावारिस पशुओं को उठाने के लिए नगर निगम की ओर से कोई गाड़ी की व्यवस्था है और ना ही उनके रखने के लिए शहर की गौशालाओं में कोई जगह। इस वजह से शहर की सड़कों पर आवारा पशुओं की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। अक्सर यह लावारिस पशु सड़क के किनारे बैठे रहते हैं और कभी-कभी सड़क के बीचोंबीच आकर अचानक से वाहनों के सामने हादसे की आशंका को जन्म देते हैं। खुले आसमान के नीचे सड़क पर पड़ा कूड़ा प्रदूषण भी बढ़ाता हैं। सड़कों पर पड़े कूड़े और उसमें मुंह मारते यह आवारा पशु आधी सड़क तो ऐसे ही घेर लेते हैं जिसके कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। गौशालाओं की कमी के चलते आवारा पशुओं के चारे की व्यवस्था करना भी अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। इसी कारण यह सड़कों पर विचरण करते रहते हैं। कभी यह किसी गाड़ी के सामने आ जाते हैं और कभी गाड़ी इनके सामने, कभी यह गाड़ियों की चपेट में आ जाते हैं और कभी गाड़ियां इनकी चपेट में जिसके कारण बड़े- बड़े हादसे हो जाते है यह बड़ी ही गंभीर समस्या है।

इतना ही नहीं पॉलिथीन के लगातार प्रयोग के कारण लोग अपने घरों का कूड़ा करकट व कुछ बचे हुए खाने का सामान इन पॉलिथीनो में भरकर के बाहर की तरफ डाल देते हैं और जिन्हें खाकर आवारा पशु अक्सर बीमार पड़ जाते हैं, उनके गले में कई बार यह पॉलिथीन फंस जाती हैं और जिसकी वजह से उनकी मृत्यु तक हो जाती है और यदि नहीं तो यह पॉलिथीन जाकर उनके पेट में जमा हो जाती हैं जिसके कारण वह गंभीर रूप से गंभीर बीमारियों का शिकार भी हो जाते हैं। मानवता की दृष्टि से इस प्रकार पॉलिथीन का प्रयोग करना अत्यंत ही अमानवीय कार्य है।

5. पानी की समस्या:- सारी रात पीने के पानी के लिए जागने का मजबूर फरीदाबाद के लोग

(बिन पानी सब सून)

स्मार्ट सिटी फरीदाबाद के पश्चिमी इलाकों की कॉलोनियों में लोग पानी के लिए रात भर जागने को मजबूर है। डबुआ कॉलोनी, संजय कॉलोनी, सुंदर कॉलोनी, पर्वतीय कॉलोनी, ब्रह्मपुरी, जनता कॉलोनी आदि इलाकों में लोग रात भर जाकर पानी का इंतजार करते हैं, लेकिन कभी पानी आता है, तो कभी नहीं आता है कई बार लोगों के लिए पानी का इंतजार पूरी रात का लंबा हो जाता है, गर्मी बढ़ने के साथ ही शहर में पानी की खपत भी बढ़ जाती है। सर्वे के मुताबिक स्मार्ट सिटी की करीब 200 कॉलोनियों में मीठा पानी लगभग खत्म हो चुका है। इस कारण भी पानी की मांग बढ़ती जा रही है। स्मार्ट सिटी फरीदाबाद की जल आपूर्ति पूरी तरह से भूजल और यमुना नदी पर निर्भर है। पर्यावरणविद बताते हैं कि प्रकृति ने फरीदाबाद को सब कुछ दिया है। लेकिन गलत नीतियों के कारण ही आने वाले वर्षों में पानी को लेकर विकट परिस्थितियां खड़ी होने वाली हैं। अगर भूजल को बनाए रखना है तो अरावली की पहाड़ियों, यमुना नदी और तालाबों को बचाने का उपाय किया जाना चाहिए। यमुना को बचाने के लिए अभियान जोरों पर चलाने की आवश्यकता है। जो अभी कहीं मध्यम से भी निम्न स्तर पर चल रहा है। यमुना में हथिनी कुंड बैराज से पानी भी अक्सर नहीं छोड़ा जाताहै। जिसके कारण यमुना में जो पानी है वह दिल्ली का सीवर का पानी है। जिससे पानी खराब हो रहा है, जो फरीदाबाद के लोगों को गंभीर बीमारियों की चपेट में धकेल रहा है। वर्षा जल संचयन का ना होना भी स्मार्ट सिटी की बड़ी समस्या है। जबकि यहां 790 मिलीलीटर बारिश प्रतिवर्ष होती है। लेकिन सरकारी आदेश के बाद भी नगर निगम जल संचयन व्यवस्था करने में असफल रहा है, जबकि सरकार के स्तर पर सभी भवनों और प्रांगण से हरवेस्टिंग को अनिवार्य करने के आदेश दिए गए हैं। जल संचयन के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा अन्यथा पानी की समस्या ऐसे ही बनी रहेगी पानी की समस्या एक बड़ी ही गंभीर समस्या है। फरीदाबाद के अधिकतर हिस्से में खारा पानी उपयोग में लाया जाता है जो भी पानी यहां पर पाइप लाइन के माध्यम से दिया जाता है वह अक्सर खारा पानी होता है। मीठे पानी की समस्या यहां सालों से जस की तस बनी हुई है लोग टैंकर से पानी भरवा कर अपने घर का कार्य पूर्ण करते हैं।

6. चौक चौराहों की उपेक्षा

शहर के सभी चौराहे यूं तो सुंदरीकरण के योजना के तहत आते हैं। परंतु यदि देखा जाए तो अक्सर ऐसे चौराहों पर आपको गंदगी के अंबार लगे नजर आते हैं। आस-पास के पार्क में ग्रिल्स उखड़ी हुई मिलेंगे गरीब लोग इन्हीं के माध्यम से कई बार अपनी रोजी-रोटी का इंतजाम भी करते है। गरीब लोग अक्सर इन्हीं चौराहों के इर्द-गिर्द अपना डेरा जमा लेते हैं। ढोंगी बाबा आदि भी यहीं पर अपने घरोंदा जमा लेते हैं और छोटी मोटी दुकान वाले भी इन पर कब्जा करके अपना गुजारा चलाते हैं। शहर के कई इलाकों में आपको बहुत सी जनजातियां जैसै- बंजारे आदि भी देखने को मिल जाएगीं। जो कि इसी प्रकार चौक चौराहों के आसपास निर्धारित हरित पट्टी पर अपना कब्जा जमा लेते हैं और वहीं पर अपना रेन बसेरा बना लेते हैं। जिससे चौराहों पर विभिन्न प्रकार से गंदगी एकत्रित होती रहती है, क्योंकि उन लोगों के पास ना तो कोई शौचालय इत्यादि होते हैं और ना ही उनके पास कोई घर, वे लगभग चौराहों के आसपास ही अपने सभी कार्यों को अंजाम देते हैं। जिससे चारों तरफ गंदगी फैलना शुरू हो जाती है और बहुत ही जल्द वे अपने चारों तरफ एक गंदगी का अंबार खड़ा कर लेते हैं।

7. टूटी सड़के

चारों तरफ टूटी हुई सड़कें स्मार्ट सिटी की पोल खोलती नजर आती है। सोहना को जाने वाली सड़क इसका ज्वलंत उदाहरण प्रस्तुत करती है। सड़कों में जगह-जगह गड्ढे हो रखे हैं जिनकी वजह से कई बार बहुत बड़े-बड़े एक्सीडेंट भी हो जाते हैं। बरसात के दिनों में तो इन गड्ढों के कारण अक्सर एक्सीडेंट होते हैं और आम नागरिक के लिए तो यह सिरदर्द बने हुए यदि बात की जाए फरीदाबाद सिटी की मुख्य सड़कों, मोहल्ले और कॉलोनियों की गलियों की तो हालात बदहाल है। सेक्टर 9, 10, एनआईटी, से. 23, 24, 25 पर्वतीया और जवाहर कॉलोनी, ग्रेटर फरीदाबाद में डीपीएस चौक से लेकर बीपीटीपी सोसाइटी तक जगह-जगह गड्ढे होने के कारण राहगीरों को विशेष परेशानी होती है। संबंधित अधिकारियों से कई बार शिकायत भी की जाती है, परंतु उसका कोई मतलब नहीं। शहर की जर्जर सड़कों के कारण लोगों में हादसों का डर बना रहता है। सड़कों की हालत बेहद खस्ता है। स्मार्ट सिटी को स्मार्ट समझ कर सड़क पर सरपट वाहन चलाने की कोशिश लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं कई स्थानों पर सड़कें खुदी पड़ी है इस कारण

सवारियां और वाहन चालक हिचकोले खाने को मजबूर है। इन सड़कों के निर्माण पर लाखों खर्च किए गए हैं। लेकिन अब इनकी मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

8. अव्यवस्थित यातायात

यदि बात की जाये अव्यवस्थित यातायात की तो प्रत्येक चौराहे पर आपको अव्यवस्थित यातायात देखने को मिल जाएगा। जहां पर ना तो कोई पुलिस कर्मचारी और ना ही कोई ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी आपको नजर आता है। न हीं कोई ट्रैफिक सिग्नल की परवाह करता है। जिसकी वजह से किसी भी सामान्य नागरिक को घंटो जाम जैसी समस्याओं को झेलना पड़ता है और वह अपने निर्धारित स्थान पर समय पर नहीं पहुंच पाता। नौकरी पेशा वाले लोगों की अगर देखी जाए तो स्थिति और भी खराब है क्योंकि वह कभी भी अपने गंतव्य पर सही समय पर नहीं पहुंच पाते जिसकी वजह से उन्हें बहुत बार अपने अधिकारी से दंड का पात्र भी बनना पड़ता है।

9. रेडी पटरी वालों का अतिक्रमण

सड़कों पर जाम का कारण अतिक्रमण भी है। मुख्य रूप से जो शहर के अंदरूनी हिस्से हैं। वहां पर हम देखते हैं। कि जितने भी दुकानदार है, वह सभी सड़क पर अतिक्रमण किए हुए होते हैं। रेहड़ी पटरी वाले अक्सर सड़क के दोनों और अपनी छोटी-छोटी दुकानें लगाकर सड़क की चौड़ाई को कम कर देते हैं जिससे वहां जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और वहां से गुजरने वाले प्रत्येक यात्री को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। घंटों तक जाम का सामना करना उनके लिए एक मजबूरी बन जाती है और ऊपर से लचर यातायात व्यवस्था ना कोई कर्मचारी समय पर नजर आता है और ना ही पुलिस व्यवस्था कहीं दिखाई देती है।

10. कूड़ा निस्तारण केंद्र

कहने को फरीदाबाद के अंदर कई कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाए गए हैं। परंतु स्थान-स्थान पर अपशिष्ट पदार्थों के पर्वतों जैसे अंबार देखकर यह लगता है कि यह कूड़ा निस्तारण केंद्र केवल दिखावटी है। क्योंकि या तो उनकी मशीनें खराब पड़ी हुई है या फिर उन्हें कोई इस्तेमाल नहीं करता। इसी वजह से स्थान स्थान पर आपको कूड़े के ढेर मिलते हैं और उनसे उठने वाली दुर्गंध से वहां से गुजरने वाले हर यात्री का सर दर्द होना स्वाभाविक ही है। फसल की कटाई के बाद जो अपशिष्ट पदार्थ रह जाते हैं, उनके निस्तारण के लिए भी जगह जगह पर केंद्र बनाए गए हैं परंतु उनमें ना तो कार्य करने वाले कर्मचारी हैं और न हीं पूर्णरूपेण कार्य किया जाता है। जिसकी वजह से अधिकतर किसान अपने खेतों को फसल काटने के बाद आग लगा देते हैं जिसकी वजह से लगातार प्रदूषण की मात्रा वायु में बढ़ती जा रही है कार्बन को कम करने के प्रयास में और अधिक कार्बन को हम उत्सर्जित करते जा रहे हैं।

11. रास्ता भटकने को तैयार है फरीदाबाद वासी (टूटे हुए साइन बोर्ड)

मौजूदा हालात में फरीदाबाद क्षेत्र के अमूमन सभी साइन बोर्ड मरम्मत की मांग कर रहे हैं। किसी साइन बोर्ड पर जंग लगा है तो किसी के अक्षर मिट गया। हद तो तब हो जाती है जब किसी साइन बोर्ड से तख्ते टूट कर नीचे लटक रहे होते हैं। क्षेत्र के हर कोने पर एक न एक साइन बोर्ड इस अवस्था में मिल जाएगा। जिस कारण वाहन व यात्री अक्सर रास्ता भटक जाते हैं और रास्ता ढूंढने में भी काफी परेशानियों का सामना उन्हें करना पड़ता है। कई बार तो बड़े-बड़े होर्डिंग और फ्लैक्स बोर्ड उनके ऊपर लगा दिए जाते हैं जो पूर्णता अनैतिक और अन्यायपूर्ण है इसकी समीक्षा की जानी चाहिए और दोषी को दंड मिलना चाहिए। क्षेत्र में रेडियम प्रक्रिया वाले उपकरणों की भी कमी है। ऐसे में रात के समय वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क दुर्घटनाओं में हो रहे इजाफे की रोकथाम में साइन बोर्ड भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है,तो ऐसे में जरूरत है जल्द से जल्द इनकी मरम्मत कराई जाए।

फरीदाबाद, हरियाणा में वायु प्रदूषण

1. फरीदाबाद में हवा की गुणवत्ता अभी हानिकारक है। यह आज 5+ सिगरेट पीने के बराबर है।
2. हर किसी को लंबे या भारी परिश्रम को कम करना चाहिए।
3. सभी बाहरी गतिविधियों के दौरान अधिक ब्रेक लें।
4. जिन लोगों को दिल या फेफड़ों की बीमारी है, बड़े वयस्कों, बच्चों और किशोरों को भारी परिश्रम से बचना चाहिए।
5. गतिविधियों को घर के अंदर ले जाएं या फिर पुनर्निर्धारित करें जब हवा की गुणवत्ता बेहतर हो।
6. अस्थमा से पीड़ित लोगों को अपनी अस्थमा की कार्ययोजना का पालन करना चाहिए और त्वरित राहत दवा को संभाल कर रखना चाहिए।

7. वायु प्रदूषण के जोखिम को कम करने के लिए एयर प्यूरीफायर का उपयोग करके।
8. बाहरी गतिविधियों को कम करने के लिए फेस मास्क पहनने पर विचार कर सकते हैं।

शहर में प्रदूषण तय मानक से अधिक है। अब शहर वासियों की सांस वायु प्रदूषण से फुल है। हालांकि इस पर काबू पाने के लिए कई उपाय किए गए। लेकिन अभी तय मानक तक प्रदूषण का ग्राफ नहीं लाया जा सका है। अभी भी देश में फरीदाबाद का प्रदूषित शहरों की लिस्ट में 18वां नंबर है। प्रदूषण से सबसे अधिक प्रभावित सराय ख्वाजा, एनएचपीसी, बडख़ल, अजरौंदा, ओल्ड फरीदाबाद, बाटा, वाईएमसीए चौक, बल्लभगढ़, सेक्टर 24 व 25 के इलाके हैं। यहां आसपास रिहायशी और औद्योगिक इकाइयां हैं। दिल्ली-मथुरा रोड पर बल्लभगढ़ तक एसपीएम तय मानक से अधिक है। इस रोड पर बड़ी संख्या में प्रतिदिन गाडिय़ों का आना-जाना होता है। ध्वनि व वायु प्रदूषण से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

मौजूदा स्थिति

1. सस्पेंडेड पर्टिकुलेट मैटीरियल (एसपीएम)**:** तय मानक मौजूदा स्थिति

1. औद्योगिक क्षेत्र 400-550
2. रिहायशी 200-350 (माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर में)

2. ध्वनि प्रदूषण की मात्रा तय मानक मौजूदा स्थिति

1. औद्योगिक 75 90 से 1100
2. रिहायशी 45 70 से 80 (डेसीबल में)

सीएनजी व पीएनजी स्टेशनों की संख्या बढ़ाई गई है। लोगों को जागरूकता के लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है। प्रदूषण अधिक न हो इसके लिए लोगों को भी सहयोग करना होगा।

यह हैं प्रमुख कारण

- 15 साल पुराने 20 हजार ऑटो दौड़ रहे हैं शहर की सड़कों पर।
- दिल्ली-मथुरा रोड एक लाख से अधिक प्रतिदिन दौड़ते वाहन
- दिल्ली-मथुरा का चौड़ीकरण न होना
- जरूरत के अनुसार सीएनजी और पीएनजी स्टेशनों की कमी
- औद्योगिक इकाइयों की नियमित निगरानी नहीं
- विभिन्न चौक-चौराहों पर जाम की स्थिति

फिलहाल स्मार्ट सिटी फरीदाबाद टॉप 20 में शामिल नहीं है फरीदाबाद के लोगों को इस साल उम्मीद थी कि उनका शहर टॉप ट्वेंटी में आएगा परंतु ऐसा नहीं हुआ यह अभी 48 से पायदान पर है भविष्य में उम्मीद की जा सकती है इसकी रेटिंग बढ़ेगी और फरीदाबाद जल्द ही टोपी में शामिल होगा केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा जारी की गई स्मार्ट सिटी रैंकिंग में फरीदाबाद ने 31 अंकों के सुधार के साथ देश में 46वां स्थान प्राप्त किया है। पिछले वर्ष शहर की रैंकिंग 77 थी। अधिकारियों के मुताबिक, चार साल में 368 करोड़ रुपये के विकास कार्य हुए हैं। वहीं 600 करोड़ का विकास कार्य बाकी है। एफएमडीए द्वारा सिटी बस सर्विस भी शुरू की जानी है। इससे भविष्य में रैंकिंग में और सुधार देखने को मिलेगा। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय की ओर से स्मार्ट सिटी के तहत होने वाले नियमित कार्यों को आधार बनाकर शहरों की रैंकिंग जारी की जाती है। इस बार जारी की गई रैंकिंग से स्मार्ट सिटी के अधिकारियों में खुशी जरूर है, लेकिन निराशा भी है। अधिकारियों का कहना है कि यदि जिले में एफएमडीए की ओर से समय पर स्मार्ट सिटी बस सर्विस शुरू हो जाती, तो शहर की रैंकिंग ओर बेहतर होती। फिलहाल गुरुग्राम से सिटी बसें मंगाकर शहर में चलाई जा रही हैं।

अंततः इतना ही कहा जा सकता है कि फरीदाबाद को स्मार्ट सिटी बनाने की प्रक्रिया अत्यंत जटिल है। क्योंकि जिन कमियों को हम देख पा रहे हैं उन्हें दूर करना अभी असंभव प्रतीत होता है। अतः फरीदाबाद एक स्मार्ट सिटी बनेगा उसके लिए हमें अभी और प्रतीक्षा करनी होगी।

संदर्भ सूची

1. जिला फरीदाबाद राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम की समीक्षा
2. हरियाणा शोध पत्रिका जनरल ऑफ हरियाणा स्टडीज
3. हरियाणा दिग्दर्शन
4. दैनिकभास्कर -https://www.bhaskar.com
5. दैनिक जागरण- https://www.jagran.com
6. Indiatimes. Com
7. Amar Ujala
8. Live Hindustan. Com
9. Indiatimes.in
10. District in India.com
11. हरियाणा का इतिहास- मनोहर पांडेय, डॉ. प्रिया गोयल